अनुक्रमांक / Roll No.

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें।
Candidate should write his/her Roll No. here

कुल प्रश्नों की संख्या : 2+2
Total No. of Questions : 2+2

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 05
No. of Printed Page : 05

M-2021
PAPER-IV

सामान्य अध्ययन
18.12.2022

पूर्णांक : 200
Total Marks : 200

महत्वपूर्ण निर्देश
IMPORTANT NOTES

(अ) हिंदी व्याकरण / हिंदी निबंध के प्रश्न पत्र को छोड़कर अन्य सभी प्रश्नो का हिंदी अथवा अंग्रेजी में उत्तर लिखा जा सकता है।
Except Hindi Grammar / Hindi Essay question paper, all other question papers can be written either in Hindi or English language.

(ब) अभियर्थिओ को अपने उत्तर निर्धारित शब्दों की सीमा से अधिक नहीं लिखना चाहिए। इसका उल्लंघन करने पर अंक कटे जाएंगे। अभ्यर्थी लाइनों के अंदर ही लिखे। खली स्थान पर कृपया न लिखे।
The Candidates should not write the answer beyond the prescribed limit of word; failing which, marks will be deducted. Candidate should write answer within the given lines. Please do not write in the blank space.

(स) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर प्रश्नोत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान पर ही लिखे। प्रश्नोत्तर पुस्तिका (रफ कार्य के पृष्ठ सहित) के अंदर किसी भाग पर अनुक्रमांक अन्य कोई नाम, पता, या अन्य कोई पहचान चिन्ह अंकित न करें।
Please write answers only in the prescribed space of booklet. Do not make any mark of identity inside the booklet (including rough paper page) like roll number, name, anyother name, address or such other mark.

(द) यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो तो प्रश्न के हिंदी तथा अंग्रेजी रूपांतरों में से हिंदी रूपांतर मान्य होगा।
If there is any short of ambiguity/ mistake ether of printing or of factual nature then out of Hindi and English version of the question, the Hindi Version will be treated as standard.

विशेष निर्देश
SPECIAL INSTRUCTION

(अ) इस खंड में तीन मुख्य प्रश्न है जिसके अंतर्गत क्रमशः अति लघु उत्तरीय, लघु उत्तरीय एवं दीर्घ उत्तरीय उप–प्रश्न पूछे गए है। दीर्घ उत्तरीय प्रश्न में अंतर्गत विकल्प दिए गए है। प्रत्येक प्रश्न के समक्ष उसके पूर्णांक अंकित किये गए है।
There are three questions as very short type, short type and long type questions in this part, in which there are sub questions in each question. There is internal choice in long type questions. The Maximum marks are printed in front of each question.

प्रश्न 1: इस प्रश्न में 20 अतिलघुउत्तरीय उप प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 10 से 12 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 02 (दो) अंकों का हैं।

Q. 1 : This question contains 20 very short type sub question. Answer each question in maximum 10 to 12 words. All questions are compulsory. Each question carries 03 (Three) marks. (20x2=40)

1.1 प्लेटो के गणतंत्र पर एक टिप्पणी लिखिए।

Write a note on Plato's Republic.

1.2 महावीर के पाँच नैतिक सिद्धांतों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

Write a short note on five moral principles of Mahavir.

1.3 अद्वैत वेदांत से आप क्या समझते हैं?

What do you understand by Advaita Vedanta?

1.4 हस्तामलक कौन थे?

Who was Hastamalaka?

1.5 'जब तक जिंदा हो सुख से जियो। कर्ज लेकर भी घी पीना चाहिए' यह कथन किसने कहा है?

'Till the time you are alive live happily. One should drink ghee (a sign of luxury) even by resorting to debt' who said this statement?

1.6 राम–चरित–मानस पर एक टिप्पणी लिखिए।

Write a note on Ram-charit-manas.

1.7 रवीन्द्र नाथ टैगोर की किन्हीं तीन साहित्यिक कृतियों के नाम लिखिए।

Write name of any three literary work of Rabindra Nath Tagore.

1.8 आलोचना की कला से आप क्या समझते हैं?

What do you understand by Art of criticism?

1.9 लोक सेवकों द्वारा सामना की जाने वाली विभिन्न नैतिक दुविधाएं क्या हैं?

What are the various ethical dilemmas faced by public servants?

1.10 लोक प्रशासन में नैतिकता का क्या महत्व है?

What is the importance of ethics in public administration?

1.11 एस्टीम से आप क्या समझते हैं?

What do you understand by Esteem?

1.12 भावनात्मक बुद्धिमत्ता और नेतृत्व के बीच क्या संबंध है?

What is the relationship between emotional intelligence and leadership?

1.13 भावनात्मक बुद्धिमत्ता का गोलमैन का मिश्रित मॉडल क्या है?

What is Goleman's mixed model of Emotional Intelligence?

1.14 भारतीय समाज में कमजोर वर्ग के प्रति सहिष्णुता और करुणा क्यों महत्वपूर्ण है?

Why tolerance and compassion towards weaker section is important in Indian society?

1.15 प्रशासन में सहानुभूति का क्या उपयोग है।

What is the use of empathy in administration.

1.16 शासन में सत्यनिष्ठा की क्या उपयोगिता है।

What is the utility of Integrity in governance.

KAUTILYA ACADEMY INDORE

1.17 अभिवृत्ति की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए।

Write any three characteristics of Attitude.

1.18. मनोवृत्ति और व्यवहार में क्या अंतर है.

What is the difference between Attitude and behaviour.

1.19. अंतर्निहित और स्पष्ट दृष्टिकोण से आप क्या समझते हैं?

What do you understand by Implicit and Explicit Attitude.

1.20 गौतम बुद्ध के मध्य मार्ग की अवधारणा को परिभाषित कीजिए।

Define the concept of Middle course of Gautam Buddha.

प्रश्न 2: इस प्रश्न में 08 लघुउत्तरीय उप–प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 05 (पाँच) अंकों का हैं।

Q. 2 : This question contains 08 short type sub question. All questions are compulsory. Each question carries 05 (Five) marks. (8x5 =40)

2.1 परस्पर विरोधी वादों के मामले में, मनुष्य को ऐसे वादों का पालन करना चाहिए जिसका नैतिक मूल्य अधिक हो। समझाइये।

In case of conflicting promises, one should follow a promise that has higher moral worth. Explain.

2.2 सुकरात और प्लेटो के बीच विभिन्न समानताएँ क्या हैं?

What are the various similarities between Socrates and Plato.

2.3 कबीर के जीवन और उनकी रचनाओं पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

Write a short note on life of Kabir and his writings.

2.4 भ्रष्टाचार से आप क्या समझते हैं? भ्रष्टाचार के विभिन्न कारणों और प्रकारों की भी व्याख्या कीजिए।

What do you understand by corruption? Also explain various causes and types of corruption.

2.5 विवेक, नैतिक निर्णय लेने के लिए निरंतर मार्गदर्शक कैसे है? समझाइए।

Explain how conscience is consistent guide to ethical decision making?

2.6 भारतीय समाज के उत्थान में स्वामी विवेकानंद की क्या भूमिका है?

What is the role of swami Vivekananda in upliftment of Indian society?

2.7 व्यक्तिगत अंतर के विभिन्न कारण क्या हैं?

What are the various causes of Individual difference?

2.8 सूचना का अधिकार अधिनियम के कार्यान्वयन में विभिन्न कठिनाइयाँ क्या हैं?

What are the various difficulties in implementation of right to information act?

प्रश्न 3: इस प्रश्न में 04 लघुउत्तरीय उप–प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का हैं।

Q. 3 : This question contains 04 short type sub question. All questions are compulsory. Each question carries 20 (Twenty) marks. (4x20 =80)

2.1 राजनीति और राज्य में अरस्तू के विचारों पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए।

Write detailed note on views of Aristotle in politics and state.

2.2 भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए भारत के संस्थागत ढांचे पर विस्तार से चर्चा करें?

Discuss in detail institutional framework of India to fight corruption?

2.3 पूर्वाग्रह और भेदभाव से आप क्या समझते हैं, भारतीय संदर्भ में इसकी चर्चा करें? पूर्वाग्रह के समाधान पर भी चर्चा करें।

What do you understand by Prejudice and Discrimination discuss it in Indian context? Also discuss solution to prejudice.

2.4 सिविल सेवकों के लिए आचार संहिता पर विस्तार से चर्चा करें।

Discuss in detail Code of Conduct for Civil Servants.

3. इस प्रश्न में 02 (केस स्टडी) उप–खंड है। प्रत्येक उप–खंड में 05 प्रश्न होंगें तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 100 होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंको का है।

This question has 02 (Case Study) sy-sections. Each Case Study have 05 question and the ideal word limit for each answer will be 100 words All questions are compulsory. Each question carries 04 (Five) marks. (5x4=20)

3.1 **केस स्डटी** –

हम ऐसे समय में रहते हैं जब लगभग हर चीज खरीदी और बेची जा सकती है। पिछले कुछ वर्षों में, बाजार और बाजार मूल्य हमारे जीवन को इस तरह नियंत्रित करने लगे हैं जैसे पहले कभी नहीं थे। आज क्रय–विक्रय का तर्क केवल भौतिक वस्तुओं पर ही लागू नहीं होता बल्कि उत्तरोत्तर संपूर्ण जीवन को नियंत्रित करता है। हालांकि, व्यापक रूप से यह महसूस किया जा रहा है कि बाजार नैतिकता से अलग हो गए हैं और हमें किसी तरह उन्हें फिर से जोड़ने की जरूरत है। सामाजिक वस्तुओं के आवंटन के लिए बाजारों का उपयोग भी चिंता का कारण रहा है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित का उत्तर दें :

1. क्या लालच पूरी तरह से एक दोष या चरित्र का लक्षण है जिसके सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पक्ष हैं? क्या आप इसे उपयोगितावादी दर्शन से संबंधित कर सकते हैं जो आर्थिक भलाई के आधार के रूप में व्यक्तियों द्वारा स्व–हित की खोज पर जोर देता है?
2. क्या ऐसी कुछ चीज़ें हैं जो पैसे से नहीं खरीदी जा सकती है? उदाहरणों के साथ समझाइए।
3. उपर्युक्त गद्यांश का सार क्या है?
4. आप इस मार्ग को पूंजीवाद से कैसे जोड़ सकते हैं?
5. क्या व्यक्तिवाद और भौतिकवाद खुशी लाते हैं?

Case studies :

We live in a time when almost everything can be bought and sold. Over the past few years, markets and market values have come to govern our lives as never before. Today the logic of buying and selling no longer applies to material good alone but increasingly governs the whole of life. However, there is a wide spread realization that markets have become detached from morals and we need to somehow reconnect them. The use of markets to allocate social goods has also been a cause of concern. In this context, answer the following:

1. Is greed wholly a vice or a trait of character that has both positive and negative sides? Could you relate it to the utilitarian philosophy that emphasizes pursuit of self-interest by individuals as the basis of economic wellbeing?

2. Are there some things that money shouldn't buy? Illustrate with examples.
3. What is the essence of above passage?
4. How can you connect this passage with Capitalism?
5. Does individualism and materialism bring happiness?

3.2 केस स्डटी –

भारत में दुनिया के दृष्टिबाधित लोगों का पांचवां हिस्सा वास करता है। किसी भी प्रकार की विकलांगता का सामाजिक–आर्थिक वर्णक्रम पर निश्चित प्रभाव पड़ता है। राष्ट्रों द्वारा गरीबी और अंधेपन संबंधित आर्थिक लागत के बीच गठजोड़ से संबंधित विभिन्न अध्ययन हुए हैं। इन सबसे ऊपर है अंधेपन की समस्या से जूझ रहे व्यक्ति की भावनात्मक कीमत। इस मुद्दे के आयामों को ध्यान में रखते हुए, अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान ने नेत्रहीन लोगों के सामने आने वाली चिंताओं और उनसे निपटने के लिए एक राष्ट्र के रूप में हमारी तत्परता को सामने लाने के लिए इस विषय को एक अभूतपूर्व दृष्टिकोण से देखने का फैसला किया। श्री कृष्ण गोपाल तिवारी का मामला समस्या की बारीकियों को गहराई से सामने लाने और देश के मौजूदा कानूनी और संस्थागत ढांचे के आलोक में संभावित समाधानों पर चर्चा करने के लिए एक उपयुक्त उदाहरण है।

1. विकलांग लोगों के जीवन के मूल्य से संबंधित मुद्दे बताइये?
2. ऐसे मुद्दे जो विकलांग लोगों के अधिकारों से संबंधित हैं, लिखिए।
3. क्या आपको लगता है कि सरकारी पदों पर विकलांग लोगों के लिए आरक्षण रखना अच्छा विचार है?
4. आपके सामने कोई भी ऐसा मामला सामने आया है जो प्रेरक और नेत्रहीन लोगों की सफलता से संबंधित हो, उसे स्पष्ट करें।
5. नि:शक्तजनों को दैनिक जीवन में किन विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ता है?

India is home to one-fifth of the world's visually impaired people. Disability be it of any type has a definite impact on the socio-economic spectrum. There have been various studies correlating the nexus between poverty and blindness and the related economic cost incurred by the nations. Topping it all is the emotional price of the person dealing with the problem of blindness. Considering the dimensions of the issue, Atal Bihari Vajpayee Institute of Good Governance and Policy Analysis decided to look into the subject from a phenomenological perspective to bring out the concerns faced by the blind people and our readiness as a nation to deal with them. The case of Shri Krishna Gopal Tiwari is a fit example to bring out the nuances of the problem in an in-depth manner and discuss the possible solutions in the light of the existing legal and institutional framework of the country.

1. Issues concerning the value of the lives of disabled people.
2. Issues that concern the rights disabled people.
3. Do you think keeping reservation for differentially abled people in government post is good idea?
4. Explain any case came in front of you which is motivational and related to success of Blind peoples.
5. What are the various problems faced by differentially abled people in Daily life?